**आदेश 40 नियम 1 CPC के अन्तर्गत रिसीवर की नियुक्ति का प्रार्थना-पत्र**

**(Application under order 40 Rule 1 CPC for appointment of reciver)**

न्यायालय..........

वाद नंबर ............ सन् .......

अ०ब०स० ............. वादी

**बनाम**

स०द०फ० ............ प्रतिवादी

श्रीमान जी,

प्रार्थी/वादी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

1. यह कि प्रतिवादी के प्रार्थना पत्र पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने वादग्रस्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में धारा 145 द०प्र० सं० के अन्तर्गत वादी के विरूद्ध कार्यवाही आरम्भ की और धारा 146 द०प्र० सं० के अन्तर्गत सिविल न्यायालय द्वारा कब्जा के लिए अधिकृत पक्ष निर्णति करने तक वाद ग्रस्त सम्पत्ति कुर्क की/उसकर प्रापक नियुक्त किया फलस्वरूप वादी ने उक्त वाद योजित किया।
2. यह कि वाद की सुनवाई की तारीख पर वादी न्यायालय में अपनी बीमारी के कारण उपस्थित नहीं हो सका था। न्यायालय द्वारा प्रतिवादी के पक्ष में एक पक्षीय निर्णय दे दिया गया, यद्याप प्रतिवादी के कब्जे में वास्तव में सम्पत्ति कभी नहीं रही।
3. यह कि उपरोक्त निर्णय के आधार पर मान्य न्यायालय द्वारा विवादित सम्पत्ति का कब्जा प्रतिवादी को दे दिया गया था।
4. यह कि वादी हमेशा से और वर्तमान में भी वादग्रस्त सम्पत्ति का कब्जेदार रहा है और प्रतिवादी कभी भी सम्पत्ति का कब्जेदार नहीं रहा है।
5. यह कि प्रतिवादी द्वारा विवादित सम्पत्ति का कब्जा लेकर उसकी दुर्व्यवस्था और दुरूप किया जा रहा है । वह वाद के निर्णय को निष्फल करना चाहता है, उसके अपकृत्य रोके जाने आवरण है। दुर्व्यवस्था व दुरुपयोग का संक्षिप्त विवरण दें।

इन परिस्थितियों में यह प्रार्थना की जाती है कि मान्य न्यायालय विवादित सम्पत्ति का निर्णित होने तक एक रिसीवर नियुक्त करने की कृपा करें।

**स्थान ............ दिनांक ....... प्रार्थी/वादी......**

**द्वारा अधिवक्ता........**

**नोट** - प्रार्थना-पत्र के साथ शपथपत्र संलग्न किया जाना है।

**शपधपत्र**

**(Affidavit)**

न्यायालय........

1.A. No. ............ सन्.......

वाद नंबर ............ सन् ...........

अ० ब० स० ............ वादी

**बनाम**

स०द० फ० ............ प्रतिवादी

मैं कि ............ पुत्र ............ आयु ............ वर्ष, निवासी ............ सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ और निम्न प्रकार कथन करता हूँ।

1. यह कि उपरोक्त वाद में मैं वादी हूँ और वाद की परिस्थितियों और तथ्यों से पूर्णतया जानकार होने के कारण मैं वर्तमान शपथपत्र दायर करने के लिए सक्षम हूँ।
2. यह कि संलग्न प्रार्थना-पत्र के तथ्य (आदेश 40 नियम 1 CPC के अधीन) मेरी निजी जानकारी के आधार पर सत्य और सही हैं।

**......... (शपथकर्ता)**

**सत्यापन**

सत्यापित - दिनांक .......... .दिन ............ स्थान ............ प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त शपथपत्र का कथन मेरी निजी जानकारी में सत्य और सही है और कुछ भी छिपाया नहीं गया है। और न कुछ झूठ है।

**... (शपथकर्ता)**